No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

14455

जून, 2019

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) तुम सत्य रहे चिर सुन्दर !
मेरे इस मिथ्या जग के
थे केवल जीवन संगी
कल्याण कलित इस मग के ।

कितनी निर्जन रजनी में
तारों के दीप जलाए
स्वर्गंगा की धारा में
उज्ज्वल उपहार चढ़ाए ।

(ख) पशु नहीं वीर तुम,
समर-शूर क्रूर नहीं,
कालचक्र में हो दबे
आज तुम राजकुँवर ! – समर-सरताज !
पर, क्या है,
सब माया है – माया है,
मुक्त हो सदा ही तुम,
बाधा-विहीन बन्ध छन्द ज्यों;
डूबे आनन्द में सच्चिदानन्द रूप ।

(ग) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल,
रज-कण पर जल-कण हो बरसी,
नवजीवन-अंकुर बन निकली !

(घ) देर तक टकराए
उस दिन इन आँखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊँगा फटी बिवाइयाँ
खुब गईं दूधिया निगाहों में
धँस गईं कुसुम-कोमल मन में ।

(ङ) वासना डूबी
शिथिल पल में
स्नेह काजल में
लिए अद्‌भूत रूप-कोमलता
अब गिरा अब गिरा वह अटका हुआ आँसू
सांध्य तारक-सा
अतल में ।

2. भारतेन्दु के काव्य में देशभक्ति और राजभक्ति के अंतर्द्वन्द्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए । *16*

3. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषताएँ बताइए । *16*

4. जयशंकर प्रसाद की कविताओं में अभिव्यक्त सौन्दर्य-दृष्टि पर प्रकाश डालिए । *16*

5. 'राम की शक्तिपूजा' की काव्यगत विशेषताएँ बताइए । *16*

6. 'जन-कवि' के रूप में नागार्जुन का मूल्यांकन कीजिए । *16*

7. 'अंधेरे में' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । *16*

8. साठोत्तरी हिन्दी कविता में धूमिल का स्थान निर्धारित कीजिए । *16*

9. "शमशेर की कविता में अनुभूति की विविधता है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *16*